

डॉ. एलेन फिलिप्स, पुराने नियम का साहित्य, व्याख्यान 10, मिस्र से पलायन

© 2024 एलेन फिलिप्स और टेड हिल्डेब्रांट

खैर, वैसे भी, आज सुबह मेरे पास आपके लिए कोई घोषणा नहीं है, मुझे नहीं लगता कि जब तक किसी के पास किसी चीज़ के बारे में सवाल न हों। तो, चलिए सीधे शुरू करते हैं और गाना शुरू करते हैं। सोमवार का यह गाना याद है? ठीक है, चलिए शुरू करते हैं।

ओह, यह एक दिलचस्प आवाज़ है। हम इसे दबा देंगे। चलो शुरू करते हैं।

हिनेई मा तोव उ'मानाइम शेव दचिम गम याचद
हिनेई मा तोव उ'मानाइम शेव दाचिम गाम याचद
हिनेई मा तोव, हिनेई मा तोव लाई, लाई, लाई, लाई, लाई, लाई, लाई, लाई, लाई, लाई, लाई, लाई
हिनेई मा तोव, हिनेई मा तोव लाई, लाई, लाई, लाई, लाई, लाई, लाई, लाई, लाई, लाई, लाई, लाई
हिनेई मा तोव उ'मानाइम शेव दाचिम गाम याचद
हिनेई मा तोव उ'मानाइम शेव दाचिम गाम याचद
हिनेई मा तोव, हिनेई मा तोव लाई, लाई, लाई, लाई, लाई, लाई, लाई, लाई, लाई, लाई, लाई, लाई
हिनी मा तोव, हिनी मा तोव लाई, लाई, लाई, लाई, लाई, लाई, लाई, लाई, लाई, लाई, लाई, लाई

जब हम उन दो गीतों को पूरा कर लेंगे, तो हम तीन या चार और गीत जोड़ देंगे। और जब तक सेमेस्टर खत्म हो जाएगा, तब तक आप जितने हिब्रू गाने जानेंगे, उनके बारे में सोचिए। खैर, चलिए शुरू करते समय साथ में प्रार्थना करने के लिए कुछ समय निकालते हैं।

मुझे लगता है कि यह थोड़ा ज़ोरदार है, है न? आवाज़ में बहुत ज़्यादा गूँज है? शायद? चलो यहाँ एक पायदान नीचे की कोशिश करते हैं। ओह। कैसा है? एक, दो, तीन, चार, पाँच।

आइए प्रार्थना करें। आइए हम सब मिलकर प्रार्थना करें।

दयालु स्वर्गीय पिता, हम आज आपके साथ आपकी उपस्थिति का आह्वान करेंगे। हमें आपकी आवश्यकता है। हम स्वीकार करते हैं कि हम बहुत पीछे रह गए हैं, और फिर भी हम मसीह के रक्त के लिए बहुत आभारी और कृतज्ञ हैं। और इसलिए, जैसा कि हम आज फसह के बारे में सोचते हैं, प्रभु, हमें उन संबंधों को बनाने में मदद करें ताकि हम मसीह के माध्यम से हमारे लिए जो कुछ भी किया है, उसकी और भी अधिक गहराई से सराहना करें।

और फिर हम अपने आस-पास के उन लोगों के लिए प्रकाश की किरण बनें जो निराश हो सकते हैं, हमारे परिवार के उन लोगों के लिए जिन्हें आपकी कोमल देखभाल की आवश्यकता हो सकती है, इस देश में हमारे नेतृत्व के लिए और उससे परे जहाँ बुद्धि की बहुत आवश्यकता है। पिता, हम ये चीज़ें माँगते हैं, यह जानते हुए कि आप ब्रह्मांड के स्वामी हैं। और इसलिए, हम

ईमानदारी से प्रार्थना करते हैं कि आपकी आत्मा के द्वारा, आप वास्तव में अपने लोगों की जरूरतों को पूरा करेंगे।

हम प्रार्थना करते हैं कि जब हम साथ मिलकर अध्ययन करेंगे, तो आपके नाम का सम्मान होगा। हम ये बातें मसीह के नाम पर धन्यवाद के साथ माँगते हैं। आमीन।

खैर, आज हम आगे बढ़ रहे हैं। पिछली बार हमने थोड़ी शुरुआत की थी, और मुझे पता है कि मैंने आपको फिरौन और राजवंशों की तिथियों और नामों और उस तरह की अन्य चीजों से अभिभूत कर दिया था। लेकिन आज, हम बाइबिल के पाठ पर वापस आते हैं।

तो, कम से कम मुझे लगता है कि हम बाइबिल के पाठ पर वापस आ रहे हैं। हाँ, हम यहाँ हैं। हम निर्गमन के अध्याय पाँच से शुरू करने जा रहे हैं, और हम लगभग अध्याय 18 तक पहुँचने जा रहे हैं, कुछ मुख्य बिंदुओं पर चर्चा करते हुए।

जैसा कि मैंने पहले भी कहा है, मैं आप पर भरोसा करता हूँ कि आप कथाएँ पढ़ेंगे और उनका विवरण प्राप्त करेंगे, भले ही मैं उन सभी पर चर्चा न करूँ। हम यहाँ पृष्ठभूमि को थोड़ा आकार देने का प्रयास करेंगे। मैंने इस खंड को मूल रूप से इज़राइल के ईश्वर याहवे और मिस्र के देवताओं के बीच एक प्रतियोगिता का शीर्षक दिया है।

और यह वास्तव में एक ब्रह्मांडीय प्रतियोगिता है क्योंकि भगवान अपने लोगों को बचाने वाले हैं। तो, बाईं ओर, हमारे पास, जैसा कि मुझे यकीन है कि आपने अनुमान लगाया होगा, टोरा का एक पाठ है। दरअसल, यह एस्तेर की पुस्तक की एक पांडुलिपि है, जिसे हम थोड़ी देर बाद पढ़ने जा रहे हैं।

इसे वहाँ रखने का एक कारण यह है कि मिस्र से इस्राएल के दैवीय उद्धार और हामान और राजा अर्तक्षत्र के अधीन फारसी सरकार की भयावहता से इस्राएल के दैवीय उद्धार के बीच कुछ दिलचस्प समानताएँ हैं, उस समय अर्तक्षत्र नहीं, बल्कि अहासवेरस। तो, आप जानते हैं, उन बातों को ध्यान में रखें। किसी भी दर पर, यह हमारी प्रतियोगिता के यहोवा पक्ष का प्रतिनिधित्व करने जा रहा है, अगर आप चाहें तो।

और यहाँ हमारे पास है, और मुझे लगता है कि मैंने इसे पिछली बार दिखाया था, रामसेस द्वितीय की एक बहुत बड़ी मूर्ति का सिर। और फिर से, बस आपको जागरूक करने के लिए, हालाँकि यह रामसेस के सिर पर एक कोबरा है, कोबरा मिस्र के देवताओं में से एक था।

दिलचस्प बात यह है कि इसका उद्देश्य दुश्मनों को डराना और फिरौन की शक्ति का प्रतिनिधित्व करना था, जिसे निश्चित रूप से देवताओं के इस पूरे परिसर में दिव्य माना जाता है। इसलिए, इसे ध्यान में रखें क्योंकि मूसा और हारून के फिरौन की उपस्थिति में आने के संदर्भ में सबसे पहली बात यह होती है कि हारून की छड़ी जादूगरों की छड़ियों को निगल जाती है, जो सभी साँप बन गए हैं। ध्यान दें कि ये विशेष साँप हारून की छड़ी द्वारा भस्म हो जाते हैं।

तो, उस शुरुआती टकराव में भी, इस बात का संकेत है कि इस बात के परिणाम के संदर्भ में क्या होने वाला है। खैर, बस कुछ और बातें हैं जिन पर ध्यान देना है। यहाँ हमें फिर से हमारे फ़राओ, हमारे पिरामिडों की एक अच्छी तस्वीर मिली है।

याद रखें, जैसा कि मैं आपको बताता रहता हूँ, कि जब इस्राएली मिस्र में गए, तो ये पिरामिड पहले से ही खड़े थे। वे उस समय सदियों से खड़े थे - कुछ और बातें।

यह क्या है? मैंने जानबूझकर इसका लेबल नहीं लगाया है। मैंने कब्र सुना है। खैर, आप करीब हैं।

आप करीब हैं। यह काहिरा के संग्रहालय में है, और इसका संबंध मृत्यु से है। यह बिलकुल सच है।

चेल्सी। ताबूत, मकबरा, मौत, लेकिन इसे थोड़ा और आगे बढ़ाओ, और मुझे तुम्हारे नाम के बारे में मदद चाहिए। जैस्मीन, धन्यवाद।

एक वेदी? नहीं, लेकिन कब्र-ताबूत के विचार पर वापस आते हैं। आह, चलो टिम कोशिश करते हैं। खैर, यह कब्र और ताबूत के बहुत करीब है, लेकिन ठीक है, मेरा मतलब है, इस पर काम करते रहो।

मैंने एक और संकेत देखा। जिंजर। नहीं, माफ़ करें।

मुझे पता है, मैं बहुत बुरा बन रहा हूँ। क्रिस्टन। एक हड्डी का डिब्बा।

दरअसल, आप जानते हैं क्या? दिलचस्प बात यह है कि यीशु के समय के आसपास की एक बहुत छोटी सी अवधि तक हमारे पास अस्थि बक्से, अस्थि-पेटी नहीं थी। इतनी जल्दी आपके पास अस्थि बक्से नहीं होते, लेकिन इसका संबंध मृत्यु से है। मुझे पता है, यह बहुत ही रोचक बात है।

आप इसे वास्तव में स्पष्ट रूप से नहीं देख सकते हैं, लेकिन यहाँ नीचे एक छेद है, और आप देखेंगे कि यह एक अवतल संरचना है। केलेन। हाँ, मूल रूप से यह एक ममीकरण तालिका है।

तो, शव-संरक्षण बिस्तर, ममीकरण टेबल, आप इसे जो भी नाम देना चाहें। यह एक बहुत ही रोचक प्रक्रिया है, क्योंकि आप जो करते थे, वे जो करते थे, वह यह था कि शव को यहाँ रखा जाता था, और ध्यान दें कि यह सब इस तरह से होता था कि यह अंदर की ओर बहता था, और सभी चीजें, तरल पदार्थ, जैसे ही यह प्रक्रिया होती थी, उस विशेष छेद से बाहर निकल जाते थे, और फिर वे उन सभी उल्लेखनीय चीजों को करते थे जो मिस्र के लोग शवों को संरक्षित करने के लिए कर सकते थे। वे प्रमुख अंगों को बाहर निकालते थे, नाक के छिद्रों से चीजें निकालते थे, नाक के छिद्रों से कुछ मस्तिष्क निकालते थे, हृदय निकालते थे, इस तरह की अन्य चीजें निकालते थे, उन्हें छोटे-छोटे ताबूतों में संरक्षित करते थे, और फिर उनके पास इन शवों को संरक्षित करने का एक तरीका था।

जैसा कि मैंने दूसरे दिन कहा था, अगर आप काहिरा के इस संग्रहालय में जाएँ, तो आप वास्तव में इन ममियों का एक पूरा समूह देख सकते हैं, और रामसेस द्वितीय भी वहाँ है। अगर मुझे सही से याद है, तो उसके बाल लाल थे। वैसे भी, चलिए आगे बढ़ते हैं।

यहाँ हमारे पास एक और दिलचस्प तस्वीर है, जो निर्गमन 5 में पढ़ी गई कथाओं के संदर्भ में है, क्योंकि जाहिर है, मिट्टी की ईंटें बहुत, बहुत, बहुत, बहुत समय पहले की हैं। मुझे इनकी सटीक तिथियाँ याद नहीं हैं, लेकिन यह संकेत देता है कि भूसे से ईंटें बनाना निर्गमन पाठ में कोई असामान्य बात नहीं है। यह कुछ ऐसा है जो वे समय-समय पर करते थे, मुझे कहना चाहिए कि प्रथागत रूप से करते थे, और यह एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया थी क्योंकि जब भूसा सड़ता था, तो उस सड़ने वाली सामग्री ने वास्तव में मिट्टी को और अधिक लचीला बना दिया था, और इसलिए, जब वे सूखते थे, तो मिट्टी की ईंटें सूख जाती थीं, वे टूटती या बिखरती नहीं थीं, इसलिए उन्हें प्रक्रिया काफ़ी पहले से पता थी।

खैर, यह चित्रों के माध्यम से हमारा छोटा सा दौरा है, कम से कम हमारे दिन के अंत तक। आइए इब्रानियों के हमारे भगवान बनाम मिस्र के देवताओं के साथ फिरौन के बारे में बात करते हैं, और निश्चित रूप से, फिरौन भी उन दिव्य व्यक्तियों में से एक है। अध्याय 5, यदि आपके पास अपना पाठ है, और बस यहाँ थोड़ा सा पढ़ें।

मूसा और हारून को नियुक्त किया गया है। पिछली बार हम इस काम से गुजरे थे। मूसा मिस्र वापस आ गया है।

वह हारून से मिला, और वे अध्याय 5, श्लोक 1 में फिरौन के पास गए, और उन्होंने कहा, इस्राएल का परमेश्वर यहोवा यही कहता है, मेरे लोगों को जाने दो ताकि वे रेगिस्तान में मेरे लिए एक उत्सव मना सकें। वैसे, यह कोई असामान्य अनुरोध नहीं था। उस समय की कुछ पुस्तकों से हमें इस बात के प्रमाण मिलते हैं कि मिस्र में गुलाम रहे कुछ समूह, एशियाई समूह, वास्तव में जाकर अपने देवताओं की पूजा करते थे, और इसलिए फिरौन के लिए मूसा और हारून से यह अनुरोध प्राप्त करना कोई अप्रत्याशित बात नहीं थी।

हालाँकि, ध्यान दें कि वह क्या कहता है। यहोवा, प्रभु कौन है, कि मैं उसकी आज्ञा मानूँ और इस्राएल को जाने दूँ? मैं यहोवा को नहीं जानता, और मैं इस्राएल को नहीं जाने दूँगा, और निश्चित रूप से, प्रभु कौन है, इसका उत्तर काफ़ी नाटकीय तरीके से मिलने वाला है, क्योंकि ये चीज़ें जिन्हें हम विपत्तियाँ कहते हैं, सामने आती हैं, और जब हम विपत्तियों के उद्देश्यों को देखना शुरू करते हैं, तो हम जो कुछ सीखने जा रहे हैं, उनमें से एक यह है कि विपत्तियों का एक कारण फिरौन को यह दिखाना है कि यहोवा वास्तव में कौन है, क्योंकि स्पष्ट रूप से उस समय तक उसके पास बहुत अच्छा विचार नहीं था। ठीक है, दूसरी बात जो मैं चाहता हूँ कि आप यहाँ अपने बैकबर्नर पर रखें।

अध्याय 5 यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि यह मुक्ति प्रक्रिया त्वरित और आसान नहीं है। आप जानते हैं, कभी-कभी हम उम्मीद करते हैं कि परमेश्वर त्वरित और आसान, तेज़ तरीके से कार्य

करेगा। चलिए इसे आगे बढ़ाते हैं। हम लगभग उसे बता देते हैं, लेकिन यह काम करने का तरीका नहीं है।

वास्तव में, आप जानते हैं, शुरू में, यदि आपको अध्याय 5 याद है, और उस चित्र पर वापस जाते हैं जिसे हमने अभी देखा था, इस अनुरोध के बाद, फिरौन मानता है, ठीक है, इन लोगों को यह सब अतिरिक्त समय मिला है, वे अपना खुद का भूसा काट सकते हैं, और उस समय इस्राएलियों के लिए जीवन वास्तव में आसान होने के बजाय कठिन हो जाता है, और निश्चित रूप से, आपको बस इतना करना है कि पंक्तियों के बीच थोड़ा पढ़ना है, और महसूस करना है कि यह फिरौन का बहुत ही बुरा तरीका है संभवतः इन इस्राएलियों को मूसा के खिलाफ़ कर देना, और गुस्सा दिलाना, जो वे करते हैं। अध्याय 5 के अंत में, वे मूसा के खिलाफ़ जाकर लड़ते हैं, और फिर वह वापस प्रभु के पास जाता है। तो, फिरौन, आप जानते हैं, वह इस्राएलियों के लिए जीवन कठिन बना रहा है, लेकिन यह इस्राएलियों को मूसा के नेतृत्व के खिलाफ़ विद्रोह करने के लिए मजबूर करने का एक बुरा तरीका भी है।

मैं आपको सुझाव देना चाहता हूँ, हालाँकि मैं शायद विपत्तियाँ शब्द का इस्तेमाल करता रहूँगा, कि वास्तव में, इन्हें संकेतों के रूप में बेहतर समझा जा सकता है। संकेत और चमत्कार, अगर आप चाहें तो। वास्तव में, यह वह शब्द है जिसका इस्तेमाल अक्सर इस लेख को पढ़ते समय किया जाता है।

प्लेग शब्द का इस्तेमाल भगवान द्वारा यह कहने के लिए नहीं किया जाता है कि वह इन संकेतों को पूरा करने जा रहा है। इसलिए, उन्हें इस तरह से सोचें। आने वाले न्याय के संकेत जो काफी हद तक सच हैं।

दूसरी बात जो मैं चाहता हूँ कि आप इन्हें पढ़ते समय ध्यान में रखें, वह यह है कि, आप जानते हैं, मैं आप पर भरोसा करने जा रहा हूँ कि आप विपत्तियों को जानते हैं, है न? उन्हें जानें। मैं उनमें से कुछ के बारे में बात करूँगा, लेकिन आप बस इस कथा को पढ़ना चाहेंगे और उन्हें जानना चाहेंगे। उन्हें अलौकिक कहने के बजाय, वे हैं; वे अलौकिक हैं, लेकिन मैं उन्हें अतिप्राकृतिक कहना पसंद करूँगा और मैं समझता हूँ कि क्यों।

भगवान इसमें स्पष्ट रूप से शामिल हैं। मूसा के प्रार्थना करने पर उनके वचन के अनुसार, वे शुरू होते हैं, वे रुकते हैं। ठीक है, तो यह भगवान का निश्चित समय और प्राकृतिक घटनाओं की तीव्रता है, और इसीलिए हम उन्हें अतिप्राकृतिक कहने जा रहे हैं।

अब इनमें से कुछ के बारे में थोड़ा संक्षेप में बताऊँगा कि यह कैसे काम करता है। जैसा कि मैंने आपको पहले बताया था, नील नदी में अद्भुत नियमितता के साथ बाढ़ आती है। यह मध्य गर्मियों में शुरू हुई और संभवतः सितंबर के अंत तक चली।

इस पर भरोसा किया जा सकता है, लेकिन अगर असाधारण रूप से भयंकर बाढ़ आई, तो नील नदी सभी तरह की तलछट नीचे ला रही थी, खासकर ब्लू नील नदी से, बहुत दूर दक्षिण में, इस बाढ़ के पानी में कुछ सूक्ष्मजीव होंगे जो वास्तव में लाल रंग के होंगे, और यह तब देखा गया है जब

असाधारण रूप से उच्च, बुरी बाढ़ आई थी, और उनमें से कुछ सूक्ष्मजीवों में उनके बारे में कुछ घातक गुण हो सकते हैं। कुछ लोग सुझाव देते हैं, और आप इसे ले सकते हैं या छोड़ सकते हैं, कुछ लोग सुझाव देते हैं कि कुछ विद्वान, कि जब पाठ में इस शब्द का उपयोग किया जाता है, तो पानी खून में बदल जाता है। हिब्रू शब्द डैम है, और इसका मतलब खून का लाल रंग हो सकता है, और हमारे पास पवित्रशास्त्र में कुछ अन्य स्थान हैं जहाँ ऐसा मामला है। योएल की पुस्तक में भविष्यवाणी, जोएल अध्याय 2 के अंत में, चंद्रमा के रक्त के रंग में लाल हो जाने की बात करती है, ठीक है, उस रंग में बदल जाती है, और इसलिए शायद यहाँ जो हो रहा है वह यह नहीं है कि आपके रक्त वाहिकाओं से कोई पदार्थ बह रहा है, और यही कारण है कि नील नदी का सारा पानी रक्त के रंग में बदल जाता है, बल्कि इसमें मौजूद सूक्ष्मजीवों की असाधारण रूप से उच्च मात्रा के कारण यह रक्त के रंग में लाल हो जाता है।

अब, यहाँ दूसरी दिलचस्प बात है। नील नदी को देवता ओसिरिस का जीवन रक्त माना जाता था, जो अंडरवर्ल्ड के देवता थे, इसलिए सभी प्रकार की विडंबनाएँ चल रही हैं क्योंकि यह जीवन रक्त लाल हो जाता है और निश्चित रूप से, इसमें रहने वाले सभी जीवों को मार देता है। दिलचस्प बातें हो रही हैं।

तो, यह शुरू से ही कई अलग-अलग तरीकों से हमला है। फिर, ज़ाहिर है, जैसे-जैसे चीजें आगे बढ़ती हैं, आप जानते हैं, आपके उभयचर क्या हैं? खैर, वे मेंढक हैं, और इसलिए मेंढक नील नदी से बाहर कूदते हैं। वे ऐसा कर सकते हैं।

मछलियाँ भाग नहीं सकतीं। मेंढक भाग सकते हैं। वे तो फिरौन के शयनकक्ष में भी घुस जाते हैं।

खैर, इसमें भी थोड़ा सा मज़ाक है क्योंकि मेंढक प्रजनन की देवी थी, और इसलिए यहाँ आपको यह बहुत ही दिलचस्प मोड़ मिला है क्योंकि पाठ में कहा गया है कि मेंढक बहुत भारी हैं और वे वास्तव में फिरौन के शयनकक्ष में दिखाई दे रहे हैं। खैर, यह मक्खियों और मक्खियों तक जाता है, और मैं उन सभी का उल्लेख नहीं करने जा रहा हूँ, लेकिन बस कुछ और हैं जिन्हें हम नोट करना चाहते हैं। मवेशियों पर अंततः हमला किया जाता है, और फिर, आप शायद किसी तरह की बीमारी के बारे में सोच सकते हैं जो मवेशियों को प्रभावित करती है।

कुछ लोग एंथ्रेक्स जैसी कोई बीमारी कहते हैं, लेकिन मवेशियों पर हमला करने में दो चीजें शामिल हैं। ये बोझ ढोने वाले मुख्य जानवर हैं, पालतू जानवर, ऐसी चीजें जिनका मिस्र की अर्थव्यवस्था से बहुत ज़्यादा लेना-देना है। इसलिए, अब उस स्तर पर हमला हो रहा है, जिसके अलावा गोजातीय देवता, हाटोर, एपिस भी थे।

वे चीजें गाय या मवेशी थीं जिनकी किसी न किसी तरह से पूजा की जाती थी। इसलिए, जब आप संकेतों की बाढ़ देखते हैं, तो आप संकेतों के इस समूह को प्रकट होते हुए देखते हैं। आप मिस्र के देवताओं पर कुछ प्रहार देख रहे हैं, आप मिस्र की अर्थव्यवस्था पर कुछ निश्चित हमले देख रहे हैं।

दूसरी बात जो मैं कहना चाहूँगा, मैं थोड़ा पीछे जा रहा हूँ, जब फिरौन के जादूगर फिर से वही काम करते हैं, याद कीजिए पहले तीन में, वे वही काम करने में सक्षम हैं जो मूसा और हारून ने

किया था? मूल रूप से, वे मिस्र को दोहरा झटका दे रहे हैं क्योंकि अगर वे पूरी बाढ़ वाली बात फिर से करते हैं, तो इसका मतलब है कि मिस्र एक बार फिर उसी तरह तबाह हो रहा है जैसे पहले हुआ था। और इसलिए मैं इतना साहसी हो सकता हूँ कि यह कहूँ कि एक वैचारिक बिंदु बनाने के लिए, फिरौन के जादूगर अपने लोगों पर और भी अधिक नुकसान ला रहे हैं - एक तरह की कपटी बात।

वैसे भी, कुछ और बातें हैं जिनका उल्लेख किया जाना चाहिए। विनाशकारी ओलावृष्टि, और हमें बताया गया है कि यह जौ की फसल के समय हो रही है, जो कि हम जानते हैं कि फरवरी में होती है। इसलिए, आप इन संकेतों में एक लंबी अवधि देख रहे हैं क्योंकि वे सामने आ रहे हैं।

और फिर, स्पष्ट रूप से, जब आप सूर्य को काला करते हुए देखते हैं, तो सूर्य प्रमुख देवताओं में से एक था। अमुन-रे एक देवता था, और इसलिए, यह एक और सीधा हमला है। अंत में, ज्येष्ठ पुत्र की हत्या के साथ, यदि फिरौन स्वयं महान सूर्य देवता का प्रतिनिधि देवता था, तो मिस्र के देवताओं पर एक और बड़ा हमला हुआ।

हम थोड़ी देर में उस बिंदु पर वापस आएं। किसी भी तरह से, यह विपत्तियों और प्रकृति के बीच एक लंबा चित्रण है, अतिप्राकृतिक। मैंने कुछ समय पहले उल्लेख किया था कि मिस्र के जादूगर ऐसा कर सकते थे।

क्यों? ये स्पष्ट रूप से, जैसा कि मूसा और हारून मिलकर कर रहे हैं, यहोवा के कार्य हैं। और यह एक प्रतियोगिता है। ये मिस्र के जादूगर शुरू में उनमें से कुछ करने में सक्षम क्यों हैं? ट्रेवर, आपने अपना हाथ ऊपर कर दिया था।

किस तरह से? अच्छा। उसे जिद्दी बनाना और विश्वास न करने के लिए। बिल्कुल।

मैं इसे थोड़ा और आगे बढ़ाना चाहता हूँ। यदि आप मिस्र के जादूगरों के इस काम में सक्षम होने के बारे में हिब्रू लोगों की बात पर गौर करें, तो आप देखेंगे कि उनका काम गोपनीयता में लिपटा हुआ था। और आप जानते हैं, यहाँ सबटेक्स्ट यह है कि वे भी दुष्ट अलौकिक शक्तियों का उपयोग कर रहे हैं।

और हम इस बात को खारिज नहीं कर रहे हैं कि इस पूरी प्रक्रिया का एक अंधेरा पक्ष भी है। और इसलिए जब वे वास्तव में इनमें से कुछ चीजें करने में सक्षम होते हैं, तो वे फिरौन के लिए एक अस्पष्ट स्थिति पैदा कर रहे होते हैं। उसके देवता ऐसा कर सकते हैं। इब्रानियों का यह देवता ऐसा कर सकता है, और जैसा कि ट्रेवर ने कहा, इससे उसका दिल कठोर हो जाता है।

और यह एक सतत प्रक्रिया होगी जिस पर हम अभी चर्चा करने जा रहे हैं। यह एक बहुत बड़ा सवाल है क्योंकि जब आप अध्याय 4 से लेकर अध्याय 13 तक की सामग्री की इस श्रृंखला को देखेंगे, तो हमने फिरौन के दिल के कठोर होने के बारे में बार-बार उल्लेख किया है। और अगर मुझे अनुमति हो तो मैं इस पर कुछ टिप्पणियाँ करना चाहूँगा।

वैसे, यह एक लंबी चर्चा है। यह एक महत्वपूर्ण और बहुत लंबी चर्चा है। जब आप इन आख्यानों को देखते हैं और इस पर मानसिक रूप से ध्यान देते हैं, तो वास्तव में तीन अलग-अलग हिब्रू शब्दों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

उनमें से एक का मतलब है मज़बूत करना, दूसरे का मतलब है भारी होना, और तीसरे का मतलब है कठोर होना। और फिर मामले को और भी जटिल बनाने के लिए, उनमें से कुछ सक्रिय हैं, उनमें से कुछ निष्क्रिय हैं, उनमें से कुछ प्रतिवर्ती हैं। दूसरे शब्दों में, फिरौन अपने दिल को कठोर बनाता है।

तो इन कथाओं के व्याकरण में भी, हम इस पूरे मामले की जटिलता को देख रहे हैं कि परमेश्वर संप्रभुता से क्या करता है और मनुष्य जिम्मेदारी से क्या करता है। क्या आप मेरी बात समझ रहे हैं? चुने गए शब्दों और शब्दों के मौखिक रूपों की जटिलता में, यह एक बहुत ही दिलचस्प अध्ययन है और यह बार-बार दिखाई देता है जब आप इस कथा को सामने आते देखते हैं। दिल का कठोर होना, मुझे लगता है, लगभग 15 से 20 बार होता है, लेकिन वास्तव में यह सारी जटिलता अंतर्निहित है।

दूसरी बात जो मैं कहना चाहता हूँ, फिरौन, और मैंने इसे यहाँ एक बुलेट में रखा है, लोगों को गुलाम बनाने में और अध्याय एक में उस घोषणा में, कि हम उनके साथ चतुराई से पेश आएँगे, और निश्चित रूप से उन्हें गुलाम बनाकर, उन्हें मारने का इरादा रखते हुए, और फिर लड़कों और छोटे बच्चों को नदी में फेंकने के उस आदेश के माध्यम से, फिरौन ने इस्राएली आबादी को काफी हद तक अमानवीय बना दिया था। उसने ऐसा किया था। उसने जानबूझकर उन्हें ऐसी स्थिति में डाल दिया था जहाँ वे चल रहे उत्पीड़न के कारण पूरी तरह से मानव नहीं हैं।

सुझाव यह है कि यह ईश्वर की ओर से एक माप-दर-माप सज़ा है। फिरौन ने ईश्वर के लोगों के साथ ऐसा किया, जो उसके ज्येष्ठ पुत्र थे। इसलिए, ईश्वर फिरौन के साथ भी ऐसा ही करने जा रहा है, और उसके हृदय को कठोर करके, वह उसे लगभग अमानवीय बना देगा, जिससे उसके पास सही काम करने की इच्छाशक्ति नहीं रहेगी।

लेकिन ध्यान दें कि भगवान इसे अकेले नहीं करते हैं। फिरौन, अगर आप इसे इस तरह से कहना चाहते हैं, तो दुखद रूप से स्वेच्छा से इस प्रक्रिया में सहयोग करता है।

यह हमें विशेष रूप से तीसरी बात पर लाता है। भले ही पहले दो विपत्तियों में एक अस्पष्ट संदेश था, वह यह कहकर बच सकता था, ठीक है, मुझे नहीं पता कि इसके लिए कौन जिम्मेदार है। यह मेरे भगवान हो सकते हैं, वह भी हो सकते हैं। जब तक हम श्रृंखला के अंत तक पहुँचते हैं, तब तक क्या हो रहा है? फिरौन प्रार्थना करता है।

वह कहता है, "मैं जानता हूँ कि मैंने पाप किया है। मेरे लिए प्रार्थना करो। कृपया इस विपत्ति को दूर करो।"

और फिर, एक बार जब वह चला जाता है, तो वह क्या करता है? वह मुकर जाता है। और इसलिए, यह कठोरता निश्चित रूप से इस तथ्य का संकेत है कि उस समय उसका प्रभु के पास

वापस आने का कोई इरादा नहीं है। तो, लेकिन फिर से, यह एक लंबी, लंबी प्रक्रिया है, और निश्चित रूप से, हमें इससे कहीं अधिक बातचीत करनी चाहिए।

आगे बढ़ने से पहले क्या आपके पास कोई सवाल या टिप्पणी है? तीन शब्द हैं कावेद, जिसका अर्थ है भारी होना, जो, वैसे, मिस्र के संदर्भ में एक बहुत ही दिलचस्प शब्द है क्योंकि, और मैं थोड़ा अलग हटकर बात करूँगा, वैरो, बस इस बिंदु पर मौज-मस्ती के लिए। मिस्र के दृश्य में न्याय के पूरे विचार में, जब कोई मर जाता है, तो आप जानते हैं कि मिस्र में क्या होता था? हाँ, वहाँ तराजू थे, और आपकी आत्मा को एक पंख के खिलाफ तौला जाता था। और इसलिए, वजन और भार का पूरा विचार यहाँ वास्तव में एक महत्वपूर्ण प्रकार का संदर्भ था।

तो यह उनमें से एक था, भारी होना। और इसलिए मिस्र के न्याय दृश्य के संदर्भ में दिल भारी होने वाला है।

दूसरा मज़बूत होना है, दिलचस्प बात यह है कि, हज़क।

तीसरा बस कठोर होना है, कशा, कषाय। तो ये तीन हैं। हाँ, जिंजर।

आपका मतलब है, भगवान ने इसे क्यों प्रकट किया? मुझे विपत्तियों के उद्देश्यों को समझने के लिए इसे पकड़ने दें, और यदि यह आपके लिए इसका उत्तर नहीं देता है, तो हम वापस आएं और इससे निपटेंगे। यह जो कुछ कर रहा है, ठीक है, मुझे विपत्तियों के उद्देश्यों को समझने दें, ठीक है, और फिर हम इस पर वापस आ सकते हैं, जो यहीं पर होता है। धन्यवाद, एकदम सही सेग्यू।

यह एक साजिश है। जैसा कि हमने अध्याय 5 में बताया, फिरौन ने बहुत ही बेबाकी से कहा, प्रभु कौन है? दिलचस्प बात यह है कि यह उन तरीकों में से एक होगा जिससे परमेश्वर फिरौन को दिखाएगा कि वह कौन है। मैं आपको 914 पढ़कर सुनाता हूँ।

यह एकमात्र स्थान नहीं है, लेकिन यह संभवतः सबसे अधिक सहायक स्थान है। यह कुछ इस प्रकार है कि प्रभु मूसा से फिरौन से कहता है, मेरे लोगों को जाने दो, वे मेरी आराधना कर सकते हैं। यहाँ श्लोक 14 है, या इस बार मैं तुम्हारे और तुम्हारे अधिकारियों और तुम्हारे लोगों के विरुद्ध अपनी विपत्तियों की पूरी शक्ति भेजूँगा, ताकि तुम जान सको कि पूरी पृथ्वी पर मेरे जैसा कोई नहीं है।

तो, इसका उत्तर का एक हिस्सा, और मैं शायद और भी उत्तरों पर वापस आऊँगा, यह सिर्फ एक निरंतर साक्ष्य होने जा रहा है जो देवताओं के टकराव के संदर्भ में पैक किया जा रहा है ताकि हर क्षेत्र में फिरौन को भारी रूप से प्रदर्शित किया जा सके जिसने कहा है, भगवान कौन है? अब वह जानने जा रहा है, और मिस्र भी जानने जा रहा है। तो यह उत्तर का एक हिस्सा हो सकता है। दूसरा, केवल इतना ही नहीं, उसी संदर्भ में, हमारे पास भगवान कह रहे हैं, आप जानते हैं कि, इसका वचन बहुत आगे तक जाने वाला है।

मैं श्लोक 15 से शुरू करता हूँ क्योंकि यह जिंजर के प्रश्न पर थोड़ा और प्रकाश डाल सकता है। अब तक मैं अपना हाथ बढ़ाकर तुम और तुम्हारे लोगों पर ऐसी विपत्ति ला सकता था जो तुम्हें धरती से मिटा देती। आप जानते हैं, परमेश्वर ऐसा कर सकता था, लेकिन अपनी सर्वोच्च बुद्धि में उसके मन में और भी बातें हैं।

आइए श्लोक 16 को पढ़ें। मैंने तुम्हें इसी उद्देश्य से बनाया है, कि मैं तुम्हें अपनी शक्ति दिखा सकूँ और मेरा नाम सारी पृथ्वी पर घोषित हो। दूसरे शब्दों में, यह प्राकृतिक क्षेत्र में परमेश्वर की शक्ति का इतना नाटकीय प्रकटीकरण होने जा रहा है, विशेष रूप से अलौकिक क्षेत्र के लिए निहितार्थों के साथ, कि हर कोई इसके बारे में जानने जा रहा है।

और हमें शास्त्र में भी इसके संकेत मिलते हैं। जिपोराह का पिता कौन है? वह जो हुआ उसके बारे में सुनकर आएगा, है न? जब लोग उस भूमि पर पहुँचते हैं तो क्या होता है? हमने अभी तक इसका अध्ययन नहीं किया है, लेकिन यह एक पीढ़ी की तरह आगे बढ़ने वाला फर का टुकड़ा है, और वे जेरिको पर विजय प्राप्त करते हैं। और वहाँ कौन सी महिला बच जाती है? क्या कोई इसे संडे स्कूल से जानता है? राहाब।

ठीक है, और वह क्या कहती है? हमने सुना है कि आपके भगवान ने क्या किया है। और फिर, सदियों बाद, जब इस्राएली पलिशियों से लड़ रहे थे, तो पलिशियों ने क्या कहा? हम जानते हैं कि आपके भगवान और मिस्रियों के साथ उन्होंने जो किया उसके बारे में एक परंपरा है। मैं शब्दों का संक्षिप्त विवरण दे रहा हूँ, लेकिन आप बात समझ गए होंगे। यह एक ऐसा शब्द है जो भौगोलिक सीमाओं को पार करते हुए दूर-दूर तक फैल रहा है और वास्तव में लौकिक सीमाओं को भी पार कर रहा है।

और यह वास्तव में ईश्वर द्वारा निरंतर पाप की भयानक बुराइयों से मुक्ति दिलाने के लिए आदर्श बन जाता है, जो मिस्र में उस पूरे समय हमारे लिए प्रतिनिधित्व करता है। खैर, चलिए थोड़ा आगे बढ़ते हैं। इस्राएलियों को भी थोड़े प्रोत्साहन की आवश्यकता है ताकि आप अपने बच्चों और अपने पोते-पोतियों को बता सकें कि मैंने मिस्रियों के साथ कैसे कठोर व्यवहार किया और कैसे मैंने उनके बीच अपने चिन्ह दिखाए ताकि आप जान सकें कि मैं प्रभु हूँ।

दूसरे शब्दों में, यहोवा, फिर से, अध्याय तीन पर वापस आते हुए और जो हमने पिछली बार बहुत जल्दी किया था, यहोवा उनके लिए परमेश्वर का वाचा नाम है। मैं वही हूँ जो मैं हूँ। मैं वही रहूँगा जो मैं रहूँगा।

मैं तुम्हारा विश्वसनीय, वाचा-प्रेमी परमेश्वर हूँ। और अब वह उनकी ओर से कार्य करने जा रहा है। और इसलिए, विपत्तियाँ इसे बहुत ही वास्तविक तरीके से दिखाएँगी जिसका कोई खंडन नहीं कर सकता।

मैं यह नहीं कह सकता कि यह ईश्वर का काम नहीं है। खैर, कुछ और भी हैं, और यह एक तरह से बहुत बड़ी बात है। अध्याय 12 में एक दिलचस्प घोषणा है।

उसी रात, मैं मिस्र से होकर गुजरूंगा और हर पहलौठे को मार डालूंगा, ज़्यादातर मनुष्य और जानवर, और मैं मिस्र के सभी देवताओं पर न्याय करने जा रहा हूँ। बेशक, यह फिरौन द्वारा फिरौन के पहलौठे को मारने के साथ समाप्त होता है, जिसे, जैसा कि मैंने पहले ही तीन बार कहा है, सिंहासन पर बैठने के बाद ईश्वर के रूप में स्वीकार किया जाना तय है। लेकिन जैसा कि हमने आपको दिए गए कुछ छोटे संकेतों में पहले ही देखा है, इन संकेतों की पूरी श्रृंखला मिस्र के देवताओं के बारे में कुछ दर्शाती है और निश्चित रूप से यहोवा की ओर से उन पर न्याय लाती है।

तो, पूरा दृश्य यह दिखाने के लिए बनाया गया है कि इस ब्रह्मांडीय संदर्भ में ईश्वर पूरे मिस्र के देवताओं से कहीं ऊपर है। खैर, एक और। मेरा यहाँ क्या मतलब है? परलोक संबंधी पूर्वाभास।

क्रिस, आपने क्या कहा? अंत समय, है न? यह कैसे काम करता है? दूसरे शब्दों में, ये विपत्तियाँ हमें अंत समय की ओर देखने में कैसे मदद कर रही हैं या किसी तरह का पूर्वाभास या पूर्वाभास दे रही हैं? आप लोगों के पास नया नियम है, है न? क्रिस्टन। खैर, यह सच है, और यह एक अच्छा धार्मिक सिद्धांत है।

भगवान हमेशा विजयी होने जा रहे हैं, लेकिन आप जानते हैं क्या? नए नियम की उन यादों को ताज़ा करें। प्रकाशितवाक्य। प्रकाशितवाक्य की किताब में क्या है? सुज़ाना।

और? बहुत सारी परेशानियाँ हैं। और? प्लेग जैसी चीज़ें हैं।

अच्छा। जैसे? खगोलीय पिंडों का काला पड़ना। यह बिल्कुल सच है।

क्रिस, क्या आपको रहस्योद्घाटन की पुस्तक से कुछ और याद है? खैर, आपके पास सर्वनाश के चार घुड़सवार हैं, हालाँकि हमारे पास मिस्र में घूमते हुए कुछ भी करने वाले चार घुड़सवार नहीं हैं। क्या कुछ और है जो कुछ स्पष्ट, अधिक विशिष्ट संबंध रखता है? ऐसा नहीं है कि मैं आपके द्वारा कही गई किसी भी बात को खारिज कर रहा हूँ, लेकिन हम और भी अधिक विशिष्ट हो सकते हैं। केटी।

हाँ, टिट्टियों, पानी के पलटने और खास तौर पर ओलों के बारे में कुछ बहुत ही महत्वपूर्ण उल्लेख हैं जो हमें दिखाई दे रहे हैं। और फिर अध्याय 11 में, दो का उल्लेख है, ठीक है, उन्हें गवाह कहा जाता है, और उनका नाम नहीं लिया गया है, लेकिन वे निश्चित रूप से ऐसे लगते हैं जैसे वे हमारे विचारों का उल्लेख कर रहे हों। क्या आप इस बिंदु पर पहुँच रहे हैं कि मैं यहाँ थोड़ा अस्पष्ट होने की कोशिश कर रहा हूँ? लेकिन मूसा और एलिजा के बारे में कुछ संकेत हो सकते हैं, और यह अध्याय 11 में है।

और इसलिए जाहिर है, हम कुछ विनाशकारी अंत समय और भगवान के आसन्न न्याय के संकेत देख रहे हैं, और आप उन्हें क्रोध के कटोरे के पलटने से जोड़ने में बिल्कुल सही हैं। तो यह विपत्तियों की एक तरह की भावना है। जिंजर, क्या इससे थोड़ी मदद मिली, खासकर पहली और दूसरी के संदर्भ में? ठीक है, अच्छा।

खैर, चलो आगे बढ़ते हैं। मुझे कुछ और काम करने हैं।

डॉ. विल्सन इस बात को कहते हैं, और अन्य विद्वान भी इस बात को कहते हैं, लेकिन आप डॉ. विल्सन को पढ़ते रहे होंगे, कि जब हम गुज़रने के पूरे विचार के बारे में सोचते हैं, तो आप जानते हैं, मुझे कुछ कहना है, एक हिब्रू शब्द है, पेसाच, और अगर आपके पास यहूदी दोस्त हैं, तो जब फसह के आसपास का समय आता है, और वे फसह मना रहे हैं, तो वे फसह मनाएंगे। और यह संज्ञा है जो हिब्रू शब्द से आती है, जो बलि का जानवर है। क्रिया रूप का उपयोग बहुत कम ही किया जाता है, लेकिन यह इस अध्याय में दिखाई देता है, और यह यशायाह अध्याय 31, श्लोक 5 में दिखाई देता है, और यह हमें थोड़ा सोचने में मदद करता है कि इसका वास्तव में क्या मतलब है क्योंकि कभी-कभी, मेरा मतलब है, शब्द फसह फसह का अर्थ है, और शायद हमें इसे थोड़ा और खोलना चाहिए और कुछ अतिरिक्त अर्थों को समझना चाहिए।

मैं आपके लिए आयत 12 और 13 तथा आयत 23 पढ़ता हूँ, उसके कुछ निहितार्थ निकालने का प्रयास करता हूँ, और फिर यशायाह 31 की ओर एक त्वरित रुख लेता हूँ। लेकिन सबसे पहले हम यहाँ आते हैं। मैंने आपके लिए आयत 12 पहले ही पढ़ ली है, लेकिन अब इस पर एक संक्षिप्त चर्चा शुरू करनी है।

उसी रात, मैं मिस्र से होकर गुज़रने जा रहा हूँ, हर पहलौठे को मार डालूँगा, और मिस्र के सभी देवताओं पर न्याय करूँगा। यहाँ श्लोक 13 है। खून तुम्हारे लिए एक संकेत होगा।

ठीक है, उन्होंने अभी-अभी फसह का मेमना लिया है, उन्होंने दरवाजे की चौखट पर दाल पर खून लगाया है, और यह सब। खून तुम्हारे लिए उन घरों पर एक संकेत होगा जहाँ तुम हो। अब ध्यान से सुनो, या ध्यान से पढ़ो।

जब मैं खून देखूँगा, तो मैं, ठीक है, यह पेसाच है। और आपका एनआईवी कहता है, मैं तुम्हारे ऊपर से गुजर जाऊँगा। जब मैं मिस्र पर हमला करूँगा तो कोई विनाशकारी विपत्ति तुम्हें छू नहीं पाएगी।

अब मैं श्लोक 23 को पढ़ूँगा, और फिर हम इसके बारे में थोड़ा और बात करेंगे। जब प्रभु मिस्रियों को मारने के लिए देश से गुजरेगा, तो वह खून देखेगा, यह एक तीसरा व्यक्ति है, लेकिन हमने अभी पहले व्यक्ति को पढ़ा है। वह दरवाजे के ऊपर और किनारों पर खून देखेगा, और वह उस दरवाजे पर पेसाच करेगा।

एनआईवी कहता है, उस द्वार को पार करो। लेकिन अब अगला खंड सुनो, जो वास्तव में महत्वपूर्ण है। वह विध्वंसक को आपके घरों में प्रवेश करने और आपको मारने की अनुमति नहीं देगा।

तो यह सिर्फ़ इतना ही नहीं है कि, ओह, आप इस चौखट या इस घर पर पहुँचते हैं, जिसकी दाल और चौखट पर खून लगा है, और आप उस पर से कूदते हैं, फसह। लेकिन ध्यान दें, कुछ अर्थों में प्रभु स्वयं, जो विनाश भी कर रहा है और रक्षा भी कर रहा है, विध्वंसक को उस घर में आने और ज्येष्ठ पुत्र को ले जाने से रोकने जा रहा है। क्या आप तस्वीर समझ रहे हैं? अब, यशायाह 31 के

आधार पर, वैसे, अगर मैं समझ नहीं पा रहा हूँ, तो कृपया पूछें, लेकिन यशायाह अध्याय 31 पर एक त्वरित चक्कर लगाएँ।

यह एक तरह से महत्वपूर्ण संबंध है। जब हम हिब्रू कविता के बारे में बात करना शुरू करेंगे, जो हम लगभग एक महीने में करने जा रहे हैं, तो हम जो चीजें खोजेंगे, उनमें से एक यह है कि हिब्रू कविता, हमारी कविता के विपरीत, जिसमें तुकबंदी और लय है, हिब्रू कविता किसी भी चीज़ से ज़्यादा समानांतरता की विशेषता रखती है, जिसका सरलीकरण करके, इसका मतलब यह है। किसी भी चीज़ की पहली पंक्ति, जैसा कि मैंने कहा, मैं इसे अति सरलीकृत कर रहा हूँ, लेकिन जब आप पहली पंक्ति में कोई कथन देते हैं, तो अगली पंक्ति किसी तरह से उस कथन का जवाब देने वाली होती है, या तो विचार को दोहराकर, इसे समानार्थी समानांतरता कहा जाता है, या शायद विपरीत कहकर, प्रतिपक्षी समानांतरता।

ये दो सबसे स्पष्ट उदाहरण हैं। संयोग से हमारे पास यशायाह की कविता में समानार्थी समानता का एक क्लासिक उदाहरण है, और संयोग से यह उस पद में भी है जिसे मैंने आपके लिए यहाँ नोट किया है। मैं इसे आपके लिए पाँचवाँ पद पढ़कर सुनाता हूँ।

जैसे पक्षी ऊपर मंडराते हैं, वैसे ही सर्वशक्तिमान प्रभु यरूशलेम की रक्षा करेंगे। ठीक है, मंडराते हुए, रक्षा करेंगे। अब आइए अगला भाग पढ़ें, क्योंकि यह समानता के संदर्भ में और भी स्पष्ट हो जाता है।

वह इसे ढाल देगा। क्या आपको ऐसा लग रहा है? वह इसे किसी ऐसी चीज़ से ढाल देगा जो बुरी हो सकती है और इसे पहुँचा देगा। अगली पंक्ति में, वह पेसाह करेगा, और यह ढाल के समानांतर है। इसलिए, यह कहना सबसे अच्छा होगा कि वह इसे बचाएगा, और फिर इसे बचाएगा, इसे बचाना पहुँचाने के समानांतर है।

क्या मैं इसे समझ पा रहा हूँ? अब, उस विशेष अंश के आधार पर, हम सुरक्षा के इस क्रिया रूप के साथ एक बहुत ही स्पष्ट निहितार्थ देखते हैं, और अब आपको इसे वापस लाने की ज़रूरत है कि हम क्या कर रहे हैं जब हम निर्गमन 12 पढ़ रहे हैं, और भगवान कह रहे हैं, चौखटों और चौखटों पर यह खून सुरक्षा करने जा रहा है। हाँ, वह इसे पार भी करने जा रहा है। यह सब वहाँ है, लेकिन यह उन लोगों की रक्षा करने जा रहा है जो अंदर हैं।

अब, आपको बस इतना सोचना है कि प्रेरित पौलुस 1 कुरिन्थियों 5 में क्या कहना चाह रहा है जब वह यीशु को हमारा फसह मेमना कहता है, है न? जाहिर है, वे सभी संबंध हैं, और मुझे यकीन है कि आपने उन्हें नए नियम में किया होगा। मैं थोड़ी देर में उनमें से कुछ और बनाने जा रहा हूँ, लेकिन फिर यहाँ कुछ उल्लेखनीय संकेत हैं। क्या मैं संकेत कहता हूँ? हाँ, मैं कहता हूँ।

यीशु ने क्रूस पर लटकते हुए, रक्त बहाते हुए, और उस संपूर्ण बलिदान को लेते हुए, और अपने आप में वह सब कुछ समाहित करते हुए, और अपने घराने के लोगों की रक्षा करते हुए, जो क्रूस पर लटके हुए थे, जो क्रूस पर लटके हुए थे, उसकी उल्लेखनीय झलकियाँ। तो, यह एक सुंदर चित्र है। अब, हम इसके बारे में इतना ही नहीं कहना चाहते।

हम थोड़ी देर में इस पर वापस आएं, लेकिन कुछ और बातें। एक बात जो आप देखेंगे, और मैं इन दोनों को यहाँ पर रख दूँगा, जैसे कि निर्गमन 12 आगे बढ़ता है, और अगर आप इसे पढ़ रहे थे, तो आपको इसकी एक तस्वीर मिल गई होगी, आप निर्गमन 12 में दो चीजें होती हुई देखते हैं। मिस्र में उस रात क्या करना है, इस बारे में निर्देश हैं, और फिर उन्हें आने वाली सदियों तक इस त्यौहार को मनाते समय क्या करना है, इस बारे में निर्देशों के साथ जोड़ा गया है।

तो, एक मिस्र में फसह है, दूसरा वार्षिक उत्सव है, और आपको उन दोनों चीजों को पढ़ना और जोड़ना होगा और फिर फोकस में कुछ दिलचस्प बदलाव देखने होंगे, और इसीलिए हमने इन दोनों को यहाँ रखा है। मिस्र में फसह की उस रात, जिसकी वे तैयारी कर रहे थे, क्या आपको याद है, वे 10वें दिन एक मेमना लेते थे, और फिर 14वें दिन, उन्हें इस मेमने का वध करना था, और निश्चित रूप से, मेमना दोषरहित होना चाहिए था, और यह हमें कुछ बताता है, यीशु को ईश्वर का मेमना कहने के संदर्भ में, लेकिन किसी भी दर पर, प्राथमिक ध्यान मेमने और उस उत्सव, और मेमने के बहाए गए रक्त, और उस बहाए गए रक्त के सुरक्षात्मक निहितार्थों पर है। मिस्र में उस विशेष रात के लिए मुख्य ध्यान यही है।

हाँ, यह सच है, वे कड़वी जड़ी-बूटियाँ खा रहे हैं, जो उनकी गुलामी की कड़वाहट का संकेत है, और अपनी जल्दबाजी में, वे अपनी रोटी को फूलने से रोककर बाहर निकल जाते हैं। ये उत्सव का हिस्सा हैं, लेकिन मुख्य ध्यान मेमने पर है, और इसलिए फिर से, मैं आपके लिए जॉन 129 को नोट करता हूँ, जॉन 129 क्या कहता है? यह एक उल्लेखनीय अंश है क्योंकि हम जॉन के सुसमाचार को शुरू करते हैं। यह जॉन द बैपटिस्ट है, जिसे जॉन द एपोस्टल द्वारा उद्धृत किया गया है, जो कहता है, देखो, परमेश्वर का मेमना।

क्या आपको वह याद है? परमेश्वर के मेमने को देखो जो संसार के पाप को दूर ले जाता है। अब, उस मेमने की आकृति में सिर्फ फसह के मेमने से ज़्यादा कुछ शामिल हो सकता है। इसका मतलब बलि का मेमना, पाप की बलि, आदि हो सकता है, लेकिन शायद यह भी इसमें शामिल है, और फिर बेशक, 1 कुरिन्थियों 5 जिसका मैंने अभी उल्लेख किया है, मसीह हमारा फसह का मेमना मारा गया है।

मैं कुछ देर में उस अंश पर वापस आऊँगा, और पीटर भी यही संबंध जोड़ेंगे। एक बार जब हम वार्षिक उत्सव पर पहुंच जाते हैं, तो दिलचस्प बात यह है कि जोर थोड़ा बदल जाता है, और वास्तव में, आप में से जो लोग यहूदी दोस्त हैं, आप जानते हैं, अगर वे धार्मिक या धार्मिक हैं, तो शायद वे नहीं भी हैं क्योंकि फसह इतना महत्वपूर्ण है, आप जानते हैं, वे वार्षिक आधार पर फसह मनाते हैं, लेकिन वे मेमने का वध नहीं करते हैं, है न? वह चला गया। मंदिर चला गया।

अब इस बात पर ज़ोर कुछ हद तक बदल गया है। सबसे पहले, अपने बच्चों को यह बताना ज़रूरी है। यह बात इन निर्देशों में बार-बार दोहराई गई है।

इसे पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाएँ। इसलिए, अगर आप फसह के उत्सव में जा रहे हैं, तो सबसे छोटा लड़का पूछता है, यह रात हर दूसरी रात से किस तरह अलग है? यह रात हर दूसरी रात से किस

तरह अलग है? यह फसह की कहानी सुनाना शुरू करता है क्योंकि आप अपने बच्चों को बताते हैं। अब, यह एकमात्र बात नहीं है जिस पर मैं ज़ोर देना चाहता हूँ।

आज जो लोग सावधान हैं, और यह सदियों से सच रहा है, उनके लिए असली सौदा खमीर से छुटकारा पाना है, ठीक है? आप जानते हैं, मेरे बहुत ही धर्मनिरपेक्ष यहूदी मित्र इसे वसंत की सफाई के रूप में सोचते हैं, लेकिन वे खमीर से छुटकारा पा रहे हैं क्योंकि खमीर पाप का प्रतीक बन जाता है। और फिर, आप अपने नए नियम और विशेष रूप से सुसमाचार से जानते हैं, आप जानते हैं, फरीसियों का खमीर, उनका पाखंड। यीशु के पास इसके बारे में कहने के लिए बहुत कुछ है।

और फिर 1 कुरिन्थियों 5 के अंश पर वापस आते हैं, जब पॉल कह रहा है, उस व्यक्ति से छुटकारा पाओ जो तुम्हारे चर्च में अनाचार कर रहा है, और तुम बस उसकी पीठ थपथपा रहे हो और कह रहे हो, यह ठीक है। तुम संगति का हिस्सा हो। वह कहता है, खमीर से छुटकारा पाओ।

पाप से छुटकारा पाएँ। खमीर से छुटकारा पाएँ क्योंकि मसीह, हमारा फसह का मेमना, मारा गया है। इसलिए, खमीर स्पष्ट रूप से पाप का प्रतिनिधित्व करता है।

इसलिए, जैसे-जैसे फसह का यह उत्सव पीढ़ियों के माध्यम से आगे बढ़ता है, पाप और खमीर के बीच प्रतीकात्मकता का यह पूरा विचार बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है, और इससे छुटकारा पाना महत्वपूर्ण है। खैर, साथ ही, निर्गमन का अध्याय 13। हाँ, मुझे खेद है, बेक्का।

आगे बढ़ो। हाँ, सवाल यह है कि खमीर से मेरा क्या मतलब है? यह खमीर है। यह खमीर है।

हाँ, वही बात। और मुझे यकीन नहीं है, शायद NIV भी इनमें से कुछ अंशों में इसे खमीर के रूप में अनुवाद कर रहा है, लेकिन यह वह चीज़ है जो, आप जानते हैं, इसे विकसित करती है। अखमीरी रोटी वह तरीका है जिसे हम आम तौर पर बिना खमीर वाली रोटी के विपरीत संदर्भित करते हैं।

अच्छा. धन्यवाद. धन्यवाद.

और कुछ? मैं इस पर स्पष्ट होना चाहता हूँ। यह धार्मिक दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है। सारा, सारा।

फसह कब है? यह बदलता रहता है। यह हमेशा हमारे कैलेंडर के साथ फिट नहीं बैठता क्योंकि वे अभी भी इसे निर्धारित करने के लिए चंद्र कैलेंडर पर ही निर्भर हैं। इस साल, किसी ने मेरी मदद की।

शायद अप्रैल का मध्य हो। ठीक है, कुछ लोगों से मिलिए और पासओवर के त्यौहार का आनंद लीजिए। वैसे, मुझे यह कहना चाहिए।

आम तौर पर कहें तो, उत्तरी तट पर एक बहुत ही बढ़िया अंतरधार्मिक सेडर होता है। इसके लिए अपनी आँखें खुली रखें। संभवतः इसका विज्ञापन ऑनलाइन छात्र समाचारों में किया जाएगा।

डॉ. विल्सन इस आयोजन को शुरू करने में एक प्रमुख शक्ति रहे हैं। आमतौर पर, गॉर्डन के छात्रों का एक छोटा सा समूह इसमें जाता है, और यह एक शानदार अनुभव होता है। आप पाएंगे कि यह कोई गंभीर उत्सव नहीं है। बच्चे हर जगह दौड़ रहे हैं, और वे बस अच्छा समय बिता रहे हैं क्योंकि अब पासओवर एक उत्सव बन गया है क्योंकि यह मुक्ति के पूरे विचार के कारण है।

लेकिन वे कहानी पढ़ते हैं। वे चीजें खाते हैं, आप जानते हैं, मात्ज़ा, कड़वी जड़ी-बूटियाँ, वे सभी चीजें। अगर हम इसके बारे में सुनते हैं, तो हम कुछ बातें बताएँगे।

ठीक है, धन्यवाद। और कुछ? निर्गमन में अध्याय 13 भी ज्येष्ठ पुत्र के महत्व के बारे में बात करता है, और मैं यहाँ कुछ बिंदु बताना चाहूँगा। इस्राएल, जैसा कि मैंने पहले कहा है, परमेश्वर का ज्येष्ठ पुत्र था।

वह पूरा माप-दर-माप मामला, क्योंकि फिरौन ने परमेश्वर के पहलौठों पर अत्याचार किया था, परमेश्वर सभी मिस्र, सभी मिस्रियों के पहलौठों पर अत्याचार करने जा रहा है, और न केवल अत्याचार करेगा बल्कि उनकी जान भी लेगा। उस पूरे बहुत, बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दे का प्रतीक करने के लिए, इस्राएलियों को अपने पहलौठों को प्रभु को समर्पित करना था, और यह अध्याय 13 में कही जा रही बातों का हिस्सा है। अब, यहाँ एक दिलचस्प मुद्दा यह है कि एक बार जब वह अभिषेक हो रहा था, तो जाहिर है, छुटकारे के लिए एक प्रक्रिया थी, यानी, वापस खरीदना।

क्या आपने यंगब्लड में मोचन अध्याय पढ़ा है? अगर नहीं पढ़ा है, तो यह जल्द ही आने वाला है। और मोचन का पूरा विचार, आप जानते हैं, हम मोचन को एक बुनियादी धार्मिक शब्द के रूप में सोचते हैं। यीशु ने मुझे मेरे पापों से मुक्त किया है, लेकिन इस्राएली समाज में इसका पूरा विचार मूल रूप से आर्थिक संदर्भ, सामाजिक-आर्थिक संदर्भ में था।

आपने किसी को वापस खरीदा। आपने कुछ वापस खरीदा। आप किसी को गुलामी से मुक्त कर सकते थे, और इसके लिए शब्द था छुड़ाना।

तो, यह एक खरीद है। यह वापस खरीदने के लिए कीमत चुकाना है, और यहीं से, निश्चित रूप से, हमें इसके बारे में हमारे विचार, इसके बारे में हमारी धार्मिक अवधारणा भी मिलती है। पासओवर एक दिलचस्प त्यौहार है क्योंकि यह स्थान बदलता है।

यह एक घरेलू त्यौहार के रूप में शुरू होता है। आप इसे निर्गमन को पढ़कर समझ सकते हैं। यरूशलेम में मंदिर की संरचना बनने के बाद यह मंदिर में एक प्रमुख त्यौहार बन जाएगा, और वास्तव में, दो राजा हैं, बहुत महत्वपूर्ण राजा, जो अपने लोगों के लिए सुधार लागू करते हैं।

एक है हिजकियाह, और दूसरा है योशियाह, और हम उनका अध्ययन करने जा रहे हैं। प्रत्येक मामले में उनके सुधार का मुख्य बिंदु फसह मनाना था, इसका मुख्य बिंदु, क्योंकि फसह वह त्यौहार था जहाँ उन्हें याद आया कि परमेश्वर ने उन्हें पाप के बंधन से मुक्त किया था। तो, हम इसके बारे में भी सोचेंगे, लेकिन आगे की ओर देखते हुए, आपको वह पूरा विचार मिल गया है।

ठीक है, आगे बढ़ते हुए। बस कुछ विवरण ध्यान में रखने हैं, खास तौर पर अध्याय 12 के अंत से लेकर अध्याय 13 तक। पाठ में बताया गया है कि वे 430 सालों से वहाँ थे।

बहुत समय हो गया है। क्या आपको याद है कि उत्पत्ति 15 में अब्राहम के साथ वाचा बाँधते समय क्या कहा गया था? 400 साल, आपके लोग अपनी ज़मीन पर नहीं, बल्कि अपनी ज़मीन पर गुलाम बनाए जाएँगे। बेशक, यह एक गोल संख्या है।

हमने यहाँ अपने विशिष्ट 430 का उल्लेख किया है। ध्यान दें कि वे धनवान होकर बाहर जाते हैं। अध्याय 4 में ही, प्रभु ने मूसा से कहा था, जब जाने का समय आएगा, तो तुम्हारी स्त्रियाँ अपने पड़ोसियों से पूछेंगी, और वे जाने के लिए धन प्राप्त करेंगी।

और फिर, जब वे जा रहे होते हैं, तो यही होता है। उन्हें ये सारी चीज़ें अपने पड़ोसियों से मिलती हैं जो उन्हें धन, हर तरह की चीज़ें दे रहे हैं। और पाठ कहता है, अगर आप अपना NIV पढ़ें, तो यह कहता है, और उन्होंने मिस्रियों को लूटा।

अब, यह एक दिलचस्प शब्द है। और फिर से, मैं इस पर ज़्यादा विस्तार से बात नहीं करने जा रहा हूँ, लेकिन बस इसे यहाँ बताना चाहता हूँ। हिब्रू शब्द का मतलब पहुँचाना भी हो सकता है।

यह शाऊल नहीं है। और कुछ लोग सुझाव देते हैं कि हालाँकि आप इसे लूट के रूप में समझ सकते हैं, आखिरकार, जब आप प्राचीन काल में युद्ध करते हैं, तो विजेता हारने वालों को लूटते थे। यह पूरी लड़ाई का हिस्सा था।

तो, आप इसे लूट के रूप में समझ सकते हैं। ईश्वर की सेना, उसके लोग, मिस्रियों या हारे हुए लोगों को लूट रहे हैं। लेकिन आप शायद इसे दूसरे तरीके से भी समझ सकते हैं।

संभवतः, यहाँ जो हो रहा है वह यह है कि मिस्रवासी यह समझ रहे हैं कि इब्रानियों का परमेश्वर वास्तव में एक बहुत शक्तिशाली परमेश्वर है। और हो सकता है कि वे अपनी मानसिकता, अपने विश्वदृष्टिकोण में, इस परमेश्वर को भुगतान कर रहे हों ताकि वे इस्राएलियों को यहाँ से निकाल दें और हमें अकेला छोड़ दें। कुछ लोग सुझाव देते हैं कि हमें इसे मिस्रियों को आने वाली किसी भी संभावित विपत्ति से मुक्ति के रूप में समझना चाहिए।

बस एक विचार। आप इस बारे में सोच सकते हैं, देख सकते हैं कि आपको क्या पसंद है। आप किसी भी रास्ते पर जा सकते हैं।

हालाँकि, इस समय मुझे आपको एक मज़ेदार छोटी सी कहानी बतानी है। लगभग पाँच या छह साल पहले, मुझे लगता है कि यह अब की बात है, मिस्र की सरकार - और यह - मैं मज़ाक नहीं कर रहा हूँ। मिस्र की सरकार वास्तव में इज़राइल को बराबर की राशि वापस करने के लिए अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में एक मामला लाने जा रही थी।

क्या आपने यह कहानी सुनी है? जब इस्राएली मिस्र से निकले थे, तब जो धनराशि ली गई थी, उसके बराबर राशि। मैं मज़ाक नहीं कर रहा हूँ। मेरा मतलब है, वे वास्तव में मामला लाने वाले थे, लेकिन आप जानते हैं कि क्या हुआ? आगे बढ़ो, सारा।

हाँ, बिल्कुल। जवाब ठीक था। आइए बराबर वेतन का पता लगाएं और आप हमें 600,000 लड़ाकू पुरुषों के लिए मुआवज़ा देने के लिए उतना पैसा दे सकते हैं, साथ ही उन सभी लोगों के लिए जो इसका हिस्सा हो सकते हैं, हालाँकि वह संख्या वाली बात भी एक दिलचस्प मुद्दा है, 430 सालों के लिए।

हमें ऐसा करके खुशी होगी। और फिर यह सब खत्म हो गया। इसके अलावा कुछ नहीं कहा गया।

ठीक है। आगे बढ़ते हैं। ओह, मैं जोसेफ की हड्डियाँ भूल गया।

छोटा नोट। यह अध्याय 13 का अंत है। और जब वे जा रहे थे, तो वे यूसुफ की हड्डियाँ अपने साथ ले गए।

उत्पत्ति के अध्याय 50 में क्या हुआ? यूसुफ ने उनसे एक शपथ ली। शपथ लीजिए। जब आप यहाँ से ऊपर जाएँगे - दूसरे शब्दों में, उसे पूरा भरोसा था कि परमेश्वर निश्चित रूप से उन्हें मुक्ति दिलाएगा।

जब तुम यहाँ से ऊपर जाओगे, तो तुम्हें मेरी हड्डियाँ अपने साथ ले जानी होंगी। और वे ऐसा ही करते हैं। वे चले जाते हैं, अपनी शपथ पूरी करते हुए।

खैर, वे पलायन से बाहर हैं। मैं बस एक पल में नक्शा देखने जा रहा हूँ। हमारे पास बादल और आग की सुरक्षा है।

दूसरे शब्दों में, भगवान उनके लिए वहाँ अपनी सुरक्षात्मक उपस्थिति प्रकट करते हैं। यह एक ज़रूरी यात्रा है। वे पहले दिन और रात आगे बढ़ रहे हैं।

तो, परमेश्वर दोनों ही तरीकों से उनके साथ है। और जाहिर है, जब वे रीड्स सागर के किनारे उस नाटकीय दृश्य में आते हैं, तो वह इस्राएलियों को मिस्रियों से भी बचाता है। जब वे समुद्र पार करते हैं - अध्याय 14।

अगर आपने इस पर ध्यान नहीं दिया है, तो वापस जाकर इस पर ध्यान दें। पाठ में ज़ोर दिया गया है कि वे सूखी ज़मीन पर जा रहे हैं। मैं कुछ ही देर में रीड्स सागर के संभावित स्थान के बारे में बात करने जा रहा हूँ।

भले ही यह गहरा लाल सागर न हो, लेकिन इसमें इतना पानी था कि जब पानी की सारी दीवारें मिस्र की सेना पर लुढ़कती हुई आती हैं, तो वे डूब जाते हैं। लेकिन इस्राएली सूखी ज़मीन पर ही आगे बढ़ गए। और यह बात ध्यान में रखना ज़रूरी है।

खैर, जाहिर है, हमारे पास यहाँ भी कुछ संकेत हैं। हम इन संकेतों से बच नहीं सकते, और हमें ऐसा करना भी नहीं चाहिए।

लेकिन अब समानताओं के बारे में सोचें। फिर से, अगर आपने नया नियम पढ़ा है, तो आप जानते होंगे कि यीशु किस तरह एक इंसान के रूप में, ईश्वर-मनुष्य के रूप में अपने जीवन में जीते हैं या खुद को साकार करते हैं। वह राष्ट्रीय इज़राइल के अनुभवों को साकार करता है।

इसलिए, इस्राएल समुद्र पार करता है। उन्हें जंगल में कुछ समय बिताना पड़ता है। और जैसा कि हम देखेंगे, जंगल में बिताया गया वह समय वास्तविक परीक्षण का समय होता है।

और इसी तरह, यीशु का बपतिस्मा होता है और फिर वह इस्राएल और प्रलोभन के समय के साथ एक तरह के समानांतर में जाने वाला है। खैर, निर्गमन 15 तक पहुँचते हुए, एक गीत है जो गाया जाता है। दूसरे शब्दों में, ये सभी गद्य, अद्भुत घटनाएँ जो घटित हुई हैं, अब मूसा एक गीत में डालता है।

और अगर आप उस अध्याय को ध्यान से पढ़ें, तो ऐसा लगता है कि अध्याय के अंत में, मिरियम भी उसी गीत को सिखाने में शामिल होने जा रही है क्योंकि वे फिर से वही गाना शुरू कर देते हैं। इस गीत के बारे में दिलचस्प बात यह है कि यह इस बात पर ज़ोर देता है कि ईश्वर राजा है। उसका राज्य हमेशा के लिए है, और हम गीत के अंत में देखेंगे, जो हमें निश्चित रूप से, धर्मतंत्र के पूरे विचार की याद दिलाता है, जिसके बारे में हम आगे और अधिक जानेंगे।

यह अध्याय यंगवुड थीम पर भी आधारित है। लेकिन ध्यान रखें कि जब हम धर्मतंत्र के बारे में बात कर रहे हैं, तो हम ईश्वर के नियंत्रण में सभी सरकारों के बारे में बात कर रहे हैं। इस संदर्भ में ईश्वर राजा है।

यह गाना वाकई दिलचस्प है। इसकी शुरुआत इस बात से होती है कि कैसे परमेश्वर ने इस्राएल को फिरौन और उसकी सेनाओं से बचाया है। अतीत में किए गए सभी उद्धार, कैसे फिरौन ने खुद को स्थापित किया और शेखी बघारी, और वे सब बातें अब कुछ भी नहीं रह गई हैं।

लेकिन फिर एक बदलाव होता है। मुझे लगता है कि यह लगभग 11 वीं आयत के आसपास है, लेकिन आप जानते हैं क्या? चलिए सुनिश्चित करते हैं। आयत 13, माफ़ करें। आयत 12 कहती है, तूने अपना दाहिना हाथ बढ़ाया, और धरती ने उन्हें निगल लिया; पानी फिर उनके ऊपर आ गया।

अब, श्लोक 13 से शुरू करते हुए, हम भविष्य की ओर बढ़ रहे हैं। ध्यान दें कि इसमें इस तथ्य का उल्लेख है कि वे फिलिस्तिनियों के लोगों, एदोम के प्रमुखों, मोआब के नेताओं और कनान के लोगों से निपटने जा रहे हैं। एक बार जब उन लोगों से निपटा जाता है, तो यह आगे की ओर एक नज़र है, और फिर यह कहता है, आप, भगवान, अपने लोगों को लाएंगे और उन्हें अपनी विरासत के पहाड़ पर लगाएंगे, यरूशलेम की स्थापना की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

तो, भविष्य के लिए वादे, अतीत के बारे में घोषणाएँ, श्लोक 18 के साथ समापन, प्रभु हमेशा-हमेशा के लिए राज करेंगे। तो, यहाँ प्रशंसा का अद्भुत गीत है। आइए थोड़ा सा नक्शा देखें।

लोग मुख्य रूप से गोशेन में रहते हैं, जो हमारे आस-पास का डेल्टा क्षेत्र है। हिब्रू वाक्यांश जिसका अनुवाद लाल सागर है, का वास्तव में अर्थ है रीड्स का सागर। और आम धारणा यह है कि यह संभवतः यहाँ के एक ऐसे क्षेत्र को संदर्भित करता है जो बहुत दलदली था।

वैसे, विचार यह है कि उस समय जल स्तर काफी अधिक था। इसलिए हमारे पास यहाँ लाल सागर का किनारा है जो इस क्षेत्र में अधिक व्यापक दलदलों में अपना रास्ता बना सकता है। यह कहाँ है, हम नहीं जानते।

पाठ हमें बताता है कि परमेश्वर नहीं चाहता था कि वे पलिशियों के रास्ते से जाएँ। वह लाल रेखा यहीं होगी। अंतर्राष्ट्रीय तटीय राजमार्ग याद है? उन्हें उससे दूर रखें।

वे उस रास्ते पर जाने के लिए तैयार नहीं हैं। वे सिर्फ एक झुग्गी-झोपड़ी हैं, हाल ही में आज़ाद हुए गुलामों का एक समूह। इसलिए, वह उन्हें यहाँ ले जाएगा और फिर, ज़ाहिर है, उन्हें ऐसा दिखाएगा कि वे भ्रमित हैं, ताकि फिरौन बाहर आए और अंतिम हमला करे।

आखिरकार, वे उस दलदली क्षेत्र को पार कर गए जो शायद था। और जब मैं ऐसा कहता हूँ तो मैं किसी भी तरह से चमत्कार की शक्ति को कम करने की कोशिश नहीं कर रहा हूँ। अगर आप आठ से दस फीट ऊँचे दलदल से गुज़रने की कोशिश करते हैं, जिसके चारों ओर पपीरस के पेड़ लगे हैं, और जिसके साथ न जाने कितने हज़ार लोग हैं, तो आप जानते हैं कि यह आसान नहीं है।

मैं फिर वही बात दोहराता हूँ जो मैंने पहले कही थी। वे सूखी ज़मीन पर पार चले गए, जो स्पष्ट रूप से एक चमत्कारी घटना है।

एक बार जब वे पार हो जाते हैं, तो बड़ा सवाल यह है कि वे कहाँ जाते हैं? माउंट सिनाई कहाँ स्थित है, इस संदर्भ में कम से कम 11 अलग-अलग प्रस्ताव हैं। कुछ लोग इसे यहाँ से बहुत दूर उस क्षेत्र में रखते हैं जिसे वे मिद्यान मानते हैं। और, आप जानते हैं, यह एक मूर्खतापूर्ण प्रस्ताव है लेकिन आप चाहें तो इसके बारे में ऑनलाइन पढ़ सकते हैं।

उस आदमी का नाम रॉन व्याट है। उसने इसे प्रस्तावित किया है। कुछ लोगों ने इसे इस क्षेत्र में इसलिए लगाया क्योंकि यहाँ कुछ पहाड़ियाँ हैं।

मेरी पसंदीदा जगह, हालाँकि मैं इसके लिए बहुत ज़्यादा नहीं जाऊँगा, सिनाई प्रायद्वीप के दक्षिणी तीसरे हिस्से में है, जिसकी कुछ वजहें हैं। इसलिए मैंने वहाँ सफ़ेद तीर लगाए हैं, है न? यह एक अलग-थलग जगह है। आप जानते हैं, भगवान को उन्हें लोगों के रूप में ढालने में एक साल लगेगा।

यह एक बहुत ही अलग-थलग क्षेत्र है। ऐसा करने के लिए इससे बेहतर जगह और क्या हो सकती है? यह एक नाटकीय क्षेत्र है। मैं आपको कुछ ही देर में तस्वीरें दिखाऊँगा।

शायद हम पहले ही कुछ कर चुके हैं। इसमें कुछ जल स्रोत हैं, यहाँ के इस भाग के विपरीत, जिसे एती कहा जाता है, जो एक विशाल, भयानक जंगल है। कम से कम कुछ जल स्रोत हैं, जिन्हें, निश्चित रूप से, परमेश्वर के प्रावधान द्वारा बढ़ाया जा सकता है जैसा कि वह करता है।

अब, इस खंड में भी, माउंट सिनाई के संदर्भ में अलग-अलग संभावनाएँ हैं। मुझे ठीक से पता नहीं है, लेकिन कम से कम मैं सुझाव दूंगा, उन कारणों के लिए जो मैंने अभी सुझाए हैं, कि शायद दक्षिणी तीसरा भाग इसके बारे में सोचने के लिए सही जगह है। हम जंगल में कुछ परीक्षणों को देखेंगे, और फिर अगर हमारे पास समय होगा, तो मैं आपको सिनाई की कुछ और तस्वीरें दिखाऊंगा।

एक बार जब वे रीड्स सागर पार कर लेते हैं, तो चीजें गड़बड़ होने में कितना समय लगता है? निर्गमन के अध्याय 15 का अंत। महीने, साल, सप्ताह, तीन दिन। तीन दिन।

अब, पूरे सम्मान के साथ, और वैसे, आप जानते हैं, मैंने आप में से कुछ लोगों के साथ और कक्षा में भी इस बारे में बातचीत की है। हमें खुद को इस्राएलियों में देखने की ज़रूरत है। हमें वाकई ऐसा करना चाहिए।

लोग नहीं बदलते। अप्रैल में सिनाई में तीन दिन रहने के बाद दिन में गर्मी हो सकती है। लोगों के एक पूरे समूह के लिए तीन दिन बिना पानी के रहना डरावना हो सकता है।

वास्तव में ऐसा होता है, विशेषकर तब जब आप किसी स्थान पर जाते हैं और पाठ पढ़ते समय पाते हैं कि वहाँ का पानी ताज़ा नहीं है - बल्कि कड़वा है।

फिर, अगर स्वेज की खाड़ी के उत्तर में कोई इलाका दलदली होता, तो आप समझ सकते हैं कि वह कड़वा क्यों होता। उस इलाके में नमक की मात्रा होगी, जो रिसकर अंदर आ रही होगी। इसलिए, उन्हें कड़वा पानी मिलता है।

परमेश्वर ने इसे मीठा बना दिया जब मूसा ने इसमें एक छड़ी फेंकी। अध्याय 16, बहुत महत्वपूर्ण अध्याय है, क्योंकि अब वे भूखे हैं, और परमेश्वर ने एक उल्लेखनीय तरीके से प्रदान किया है। वह उनके लिए मन्ना प्रदान करता है।

वैसे, बटेर भी इस संदर्भ में दिखाई देते हैं, लेकिन बटेर कम महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे मौसमी लगते हैं। और वैसे, आपके पास अभी भी सिनाई प्रायद्वीप में इन पक्षियों के प्रवास पैटर्न हैं, और वे वहाँ लंबे समय तक नहीं रहते हैं। वे फिर से संख्या अध्याय 11 में दिखाई देने वाले हैं।

मन्ना लोगों के लिए ईश्वर की ओर से प्रतिदिन दिया जाने वाला प्रावधान है, और इसलिए यह एक उल्लेखनीय प्रावधान है, और इसमें सब्बाथ का पालन भी अंतर्निहित है। अब, बस एक बात ध्यान देने योग्य है, कभी-कभी हम, खैर, हम में से कुछ, इस सब्बाथ विचार से थोड़ा चिढ़ जाते हैं। हम इससे दूर रहना पसंद करते हैं और सप्ताह में सातों दिन काम करते हैं क्योंकि हम सफल होने के लिए काफी मजबूर महसूस करते हैं।

लेकिन सोचिए क्या? हम दस आज्ञाओं के बारे में बात करते समय सब्बाथ के बारे में अधिक बात करने जा रहे हैं, इसलिए मैं इसके बारे में इतना ही नहीं कहने जा रहा हूँ, बल्कि सोचिए कि गुलाम लोगों ने जो अपने पूरे जीवन में सप्ताह में सातों दिन काम किया था, वे सब्बाथ के उपहार पर कैसे प्रतिक्रिया करेंगे। यही हो रहा है, और इसलिए परमेश्वर उनके लिए सब्बाथ को उनके पूरे पालन के हिस्से के रूप में स्थापित करने जा रहा है, जो अब उनके लिए एक वास्तविक उपहार है। वे आराम कर सकते हैं और आनंद ले सकते हैं।

त्रासदी यह है कि, बेशक, उनमें से कुछ ऐसा नहीं करते हैं, और उन्हें कठिन तरीके से कुछ सबक सीखने पड़ते हैं। यहाँ मन्ना देने और यूहन्ना अध्याय 6 में यीशु ने जो कहा है, उसके बीच कुछ संबंधों को नज़रअंदाज़ न करें। मेरे पास इसके बारे में विस्तार से बात करने का समय नहीं है, लेकिन यूहन्ना अध्याय 6 में यीशु का कुछ लोगों के साथ काफी व्यापक विवाद है जो उसका विरोध कर रहे हैं। यह 5,000 लोगों को खिलाने के ठीक बाद है, इसलिए वह अभी स्वर्ग से रोटी लेकर आया है, और निश्चित रूप से, वे उसे चुनौती दे रहे हैं, और वह कहता है, मैं वह रोटी हूँ जो स्वर्ग से उतरी है, जीवन की रोटी।

इस बारे में बाद में और भी कुछ कहा जा सकता है। अध्याय 17 में पानी की कमी के बारे में, हम मूसा को चट्टान पर प्रहार करते हुए देखते हैं। अंत में, इसके बारे में भी बहुत कुछ कहा जा सकता है, लेकिन उस अध्याय के अंत में, हमारे पास अमालेकियों के बारे में भी है। मुझे अमालेकियों की स्थिति के बारे में थोड़ा सा कहना है।

जब आप व्यवस्थाविवरण 25 पढ़ते हैं, तो हमें इस अमालेकियों के हमले की एक अलग तस्वीर मिलती है। व्यवस्थाविवरण के समानांतर पढ़ें; आप देखेंगे कि अमालेकियों काफ़ी बदसूरत थे। वे उन लोगों को चुन-चुन कर मार रहे थे जो अंत में कमज़ोर थे, उन पर हमला कर रहे थे, कमज़ोर लोगों पर, और मैं सुझाव दूंगा कि इस तरह की चीज़ों के लिए परमेश्वर के पास बहुत कम धैर्य है, और यही कारण है कि इस संदर्भ में हमारे पास अमालेकियों के खिलाफ़ इतनी कड़ी निंदा है।

इन दोनों को एक साथ पढ़ना होगा। जोशुआ, हारून और हूर, आपको याद होगा कि जोशुआ लड़ाई का नेतृत्व कर रहा है, और वह उसे किसी चीज़ के लिए तैयार करने जा रहा है, यानी विजय, और फिर हारून और हूर मूसा के दोनों ओर उसकी भुजाएँ पकड़े हुए हैं। फिर से, कुछ प्रतीकों के बारे में सोचें।

हारून पुरोहित वंश है, हूर यहूदा वंश है, जो राज वंश होगा। इसके बारे में भी कुछ रोचक बातें हैं। खैर, हमें क्या सबक सीखना चाहिए? हम इसके साथ बहुत कुछ कर सकते हैं, लेकिन बहुत देर हो चुकी है।

मैंने उनमें से कुछ को सूचित कर दिया है। उनके बारे में सोचो। और फिर एक आखिरी बात, जेथ्रो आता है, जैसा कि मैंने पहले कहा, उसने पहचान लिया है, क्योंकि उसने परमेश्वर के किए गए कार्यों की रिपोर्ट सुनी है, उसने पहचान लिया है कि परमेश्वर कौन है, और यह एक उल्लेखनीय समारोह होने जा रहा है जिसमें जेथ्रो मूल रूप से, खैर, वह इस्राएली धर्म में परिवर्तित

हो जाता है, और फिर तुरंत खुद को बहुत उपयोगी बनाता है। हम अगली बार तक तस्वीरें सहेज लेंगे क्योंकि यह 10:10 है।

शुक्रवार को मिलते हैं।